5. म्यान का रंग

दो राजा थे – खड्ग सिंह और कड़क सिंह। दोनों में पुश्तैनी दुश्मनी थी। बात-बात में उनकी तलवारें एक-दूसरे पर तन जाती थीं। लेकिन दोनों ही राजाओं को दुश्मनी का कारण नहीं पता था। बस, दुश्मनी थी... इसलिए निभाना ज़रूरी था।

दोनों राजाओं की सेना और उनके मंत्री इनके बिना वजह के इन झगड़ों से बहुत परेशान हो गए थे।

एक दिन कड़क सिंह और खड्ग सिंह के महामंत्री आपस में मिले। उन्होंने दोनों राजाओं के झगड़े को खत्म करने के लिए एक उपाय सोचा। दोनों राज्यों की सीमा पर एक पीपल का पेड़ था। दोनों ने किसी तरह अपने-अपने राजा को आपस में वहीं मिलने के लिए तैयार कर लिया।

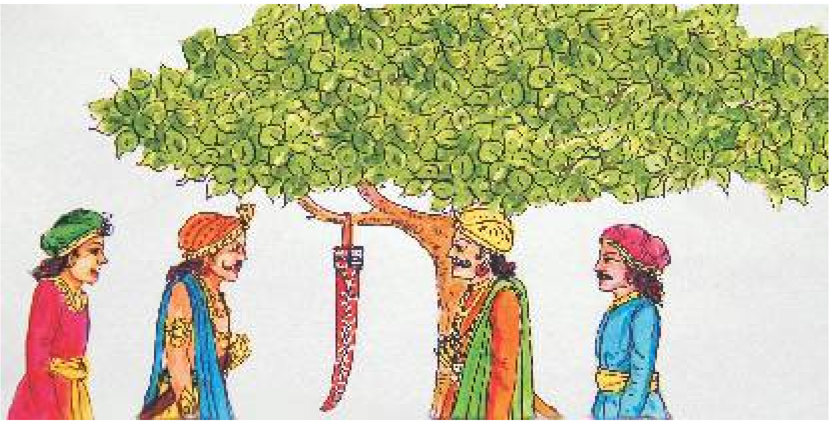

जिस दिन दोनों राजाओं को पीपल के पेड़ के नीचे मिलना था, उस दिन सुबह ही उस पेड़ की एक डाल पर दोनों राज्यों के मंत्रियों ने एक कीमती म्यान लटका दी थी।

निश्चित समय पर कड़क सिंह और खड्ग सिंह पीपल के पेड़ के पास पहुँच गए। एक पेड़ के इस तरफ अपनी सीमा में था तो दूसरा पेड़ के उस तरफ अपनी सीमा में । दोनों पेड़ के करीब पहुँचे। दोनों ने एक-दूसरे का अभिवादन किया। फिर उनकी नज़र पेड़ पर लटकी म्यान पर पड़ी।

खड्ग सिंह ने म्यान को देखकर कहा, "वाह! कितना बढ़िया म्यान है। लाल

रंग के इस म्यान में जड़े रत्न इसकी खूबसूरती को और अधिक बढ़ा रहे हैं।"

कड़क सिंह ने कहा, "क्या कह रहे हो खड़ग सिंह! म्यान बहुमूल्य ज़रूर है, पर यह तो सफ़ेद रंग का है और इस पर मोती जड़े हैं।"

खड़ग सिंह को गुस्सा आ गया। बोले, "तुम झूठ बोल रहे हो! मुझे साफ दिखाई दे रहा है कि यह म्यान लाल रंग का है और इस पर रत्न जड़े हैं।"

अब कड़क सिंह को भी गुस्सा आ गया। वे भी तेज़ स्वर में बोले, "लगता है तुम अंधे हो गए हो या फिर दुश्मनी छोड़ना ही नहीं चाहते। मैं कह रहा हूँ कि म्यान सफ़ेद है और इस पर मोती जड़े हैं।"

"मुझे तो लगता है कि तुमने लड़ने के लिए ही मुझे बुलाया है।" इतना कहकर खड़ग सिंह ने तलवार निकाल ली।

कड़क सिंह कहाँ पीछे हटने वाले थे। उन्होंने भी अपनी तलवार खींच ली। दोनों ने अपनी तलवारें हवा में लहराईं और लड़ने के लिए तैयार हो गए। वे जैसे ही एक-दूसरे पर वार करने के लिए आगे बढ़े, वहाँ छिपे दोनों राज्यों के महामंत्री सामने आ गए।

वे बोले, "राजन! रुकिए, लड़ने से पहले हर पहलू पर विचार कर लेने में ही समझदारी है।"

"क्या मतलब?" दोनों राजाओं ने चौंककर पूछा।

"आप दोनों इस म्यान के कारण लड़ने पर उतारू हैं, लेकिन यदि आप दोनों इस म्यान को दोनों तरफ से देख लेते तो लड़ाई की नौबत ही नहीं आती। असल में आप दोनों सही बोल रहे हैं। यह म्यान एक तरफ से लाल है और दूसरी तरफ से सफेद।" महामंत्रियों ने अपने-अपने राजाओं को समझाते हुए कहा।

"क्या...!" दोनों राजा आश्चर्यचकित रह गए।

"जी हाँ।" मंत्रियों ने उत्तर दिया, "महाराज, लड़ाई अकसर गलतफहमी के कारण होती है। यदि आप दोनों इस म्यान की जाँच-परख कर लेते तो यह नौबत नहीं आती।

अब दोनों राजाओं को अपनी-अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्हें अपने महामंत्रियों की बात समझ में आ गई। उस दिन के बाद उन्होंने प्रण कर लिया कि वे भविष्य में कभी नहीं लड़ेंगे।

इस प्रकार मंत्रियों की सूझबूझ से दोनों राजाओं की पुश्तैनी दुश्मनी समाप्त हो गई।

शब्दार्थ

पुश्तैनी	–	कई पीढ़ियों से सम्बन्धित
अभिवादन करना	–	श्रद्धापूर्वक नमस्कार करना।
नौबत	–	परिस्थिति

रंगों की दुनिया

'म्यान का रंग' कहानी की कौन-सी घटना आपको पसंद आई? उसका चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए।

राजा और ....

'राजा' से जुड़े कुछ शब्द वर्ग पहेली में छिपे हैं। जैसे– राज, न्याय। उन्हें खोजकर लिखिए –

रा	ज	म	ह	ल	न्या
ज	सिं	से	मु	श्क	य
द	हा	ना	कु	र	न
र	स	प्र	ट	सै	ल
बा	न	जा	सु	नि	वा
र	सि	पा	ही	क	र

------------ ------------ ------------ ------------ ------------
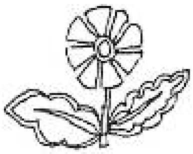
------------ ------------ ------------ ------------ ------------